# ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 13 अंक - 22 फरवरी - II, 2013 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.


# ब्रह्मा बाबा ने महिलाओं को बनाया शक्ति स्वरूपा - दादी

## पिताश्री ब्रह्मा की 44 वीं पुण्य तिथि पर उमड़े हजारों लोगों ने की विश्व शांति की कामना

**माउन्ट आबू ।** ब्रह्माकुमारीज संस्था के पाण्डव भवन परिसर में देश व दुनिया से आये हजारों लोगों की उपस्थिति में भी माहौल शांति की दुनिया में तब्दील था। संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की त्याग-तपस्या एवं शांति की शक्ति ने लाखों आत्माओं का आध्यात्मिक सशक्तिकरण किया। इस अवसर पर सभी ने विश्व में अमन, चैन, शांति एवं भाईचारे के लिए सामूहिक ध्यान साधना कर संकल्पों को मजबूती दी।

इस अवसर पर संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा विश्व में महिलाओं की स्थिति से उस समय ही वाकिफ हो गये थे जब समाज में महिलाओं के अधिकारों की चर्चा तक नहीं होती थी। बाबा ने माताओं-बहनों को आगे रखते हुए परमात्मा के साथ जोड़ा और उन्हें शक्ति स्वरूपा बनाया। आज पूरे विश्व में माताओं बहनों की भारी सेना पूरे संसार में मानवता का बीज बोने का सार्थक प्रयास कर रही है। महिला अबला नहीं बल्कि सबला है, इस बात को संस्था की माताओं ने ब्रह्मा बाबा की शिक्षाओं को जीवन में धारण कर चरितार्थ किया। यह पहली ऐसी संस्था है जिसका संचालन माताओं-बहनों द्वारा किया जा रहा है। ब्रह्माकुमार भाई-बहनें लोगों के जीवन में

पिताश्री ब्रह्मा के समाधि स्थल शांति स्तम्भ पर देश-विदेश से आए ब्रह्माकुमार भाई-बहनें विश्व शांति के लिए परमात्म याद में खड़े हैं।

सकारात्मक बदलाव लाने का महान कार्य कर पिताश्री ब्रह्मा बाबा का सपना साकार करने के लिए कृत संकल्प हैं।

आन्ध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ईश्वरैय्या ने कहा कि आज माताओं-बहनों को समाज में सुरक्षा का अभाव महसूस हो रहा है। परन्तु ब्रह्मा बाबा ने उन्हें ऐसी शक्ति प्रदान की जो दूसरों को भी वे शक्ति स्वरूपा बनाकर नये समाज की स्थापना का इतिहास रच रही है। बाबा ने जो सपना 75 वर्ष पूर्व देखा था वह आज साकार होता दिख रहा है।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि जैसे ब्रह्मा बाबा ने इस दुनिया में रहते अपने आपको उपराम रखा और सम्पूर्ण बनाया वैसे ही हमें भी अपने को ऐसा शक्तिशाली बनाना है जिससे दुनिया का खराब वातावरण हमें प्रभावित नहीं करें और हम समाज बदलाव के मुहिम में आगे बढ़ते रहें।

संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि बाबा ने हमें अपने साथ रखकर ऐसा श्रेष्ठता का पाठ पढ़ाया जो आज भी हमारे रगों में वैसा ही दौड़ता है। यदि उन शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण कर लें तो हमारा जीवन श्रेष्ठ बन जायेगा। इस अवसर पर अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. रमेश, सूचना निदेशक ब्र.कु. करूणा, कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय, ग्राम विकास प्रभाग अध्यक्ष ब्र.कु. मोहिनी, ज्ञान सरोवर निदेशिका डॉ. ब्र.कु. निर्मला, शांतिवन प्रबन्धक ब्र.कु. भूपाल, लंदन से आयी ब्र.कु. जयन्ति, अमेरिका, रूस, जापान तथा चाईना सहित कई देशों से आए भाई-बहनों ने अपने विचार व्यक्त किये तथा श्रद्धांजलि अर्पित की।

**शान्ति की दुनिया में बदला शांतिवन**

शांतिवन का परिसर शांति की दुनिया में तब्दील रहा। लोग सुबह चार बजे ब्रह्ममुहुर्त से ही बाबा की यादों में खोये रहे तथा साइलेन्स की शक्ति से विश्व शांति के लिए अपनी शुभभावनाएं दी। माउण्ट आबू में बाबा की समाधि स्थल शान्ति स्तम्भ पर विश्व शांति, मानवीय एकता, देश की सुख समृद्धि के लिए दादी जानकी की अध्यक्षता में विश्व के पांचों ही महाद्वीपों से बड़ी संख्या में पहुँचे ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने श्रद्धांजली अर्पित की।

# सर्व के सहयोग से बनेगा व्यसनमुक्त समाज

**अमरावती ।** आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मनुष्य की गलत जीवनशैली से कई बीमारियाँ व तनाव बढ़ रहा है। तनाव से अल्पकाल के लिए मुक्ति पाने के लिए मनुष्य व्यसन की ओर मुड़ रहा है। व्यसन का दुष्परिणाम शारीरिक-मानसिक संतुलन पर पड़ता है जिससे परिवार उजड़ रहे हैं। व्यसनमुक्त समाज निर्मित करने के लिए सभी का योगदान अनिवार्य है। उक्त विचार देश की पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभाताई पाटिल ने ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा आयोजित 'मेरा महाराष्ट्र व्यसनमुक्त महाराष्ट्र' अभियान का शुभारंभ करने के पश्चात व्यक्त किए। उन्होने कहा कि समाज में भाईचारा व सद्भावना की भावना द्वारा राष्ट्र विकास करने का लक्ष्य प्राप्त करने में यह व्यसन मुक्ति अभियान सहायक होगा। व्यसनों से बचने के लिए मन पर संयम व ध्यान-चिंतन लाभकारी है। पहले गाँव-गाँव में भजन-कीर्तन से समाज को नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाता था। व्यसन से दूर रहने के लिए आज भी इसी तरह का वातावरण निर्मित करने की जरूरत है। ब्रह्माकुमारी संस्था जिस प्रकार नि:स्वार्थ भावना से सेवा का कार्य कर रही है उसका लाभ सभी को प्राप्त अवश्य होगा। व्यसन मुक्ति अभियान से गाँव-गाँव में व्यसन मुक्ति संदेश मिलेगा। इस अवसर पर सामाजिक न्यायमंत्री शिवाजीराव मोघे, पूर्व महापौर डॉ. देवीसिंह शेखावत विधायक रवि राणा, ब्र.कु. सीता, डॉ. अशोक मेहता, डॉ. प्रताप मिड्ढा, डॉ. सचिन परब, डॉ. बनारसीलाल शाह, लप्पीसेठ जाजोदिया, नवनीत राणा मंचासीन रहे।

**अमरावती।** 'मेरा महाराष्ट्र व्यसनमुक्त महाराष्ट्र' अभियान का शुभारंभ करते हुए भारत की पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा ताई पाटिल, सामाजिक न्यायमंत्री शिवाजीराव मोघे, विधायक रवि राणा, डॉ.अशोक मेहता, डॉ.बनारसी शाह, डॉ.प्रताप, ब्र.कु.सीता, डॉ.सचिन तथा अन्य।